Moderated Gonle

Set – A

Subject code 112/212/312

COPYRIGHT RESERVED

Intermediate Examination 2025 (Annual)

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable

परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें ।

Figures in the Margin indicate full marks

दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं ।

कुल प्रश्नों की संख्या : 100+7 = 107

Total Questions: 100+7 = 107

Verified Revised 3.12.2024

3.12.2024

Time : 3 Hours 15 Minutes

समय : 3 घंटे 15 मिनट

LL – Bhojpuri

I.Sc., I.Com. & I.A.

Full Marks : 100

पूर्णांक : 100

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
	परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–	
2	परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।	
3	दाहिनी ओर हाशिए पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।	
4	परीक्षार्थियों को प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।	
1	परीक्षार्थी OMR उत्तर-पत्रक पर अपना प्रश्न-पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।	
5.	यह प्रश्न-पुस्तिका दो खंडों में है – खंड-अ एवं खंड-ब।	
6.	खंड-अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य	
	है। 50 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 50 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक प्रश्न	
	के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर देने के लिए उपलब्ध कराये गये OMR	
	उत्तर-पत्रक में दिये गये सही विकल्प को नीले / काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें।	
	किसी भी प्रकार के व्हाइटनर / तरल पदार्थ / ब्लेड / नाखून आदि का	
	OMR उत्तर-पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।	
7.	खंड-ब में कुल 7 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष अंक निर्धारित हैं।	
8.	किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।	

Biharboardquestionpaper.com

खंड - अ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न संख्या		प्रश्न के लिए अंक
	प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ चार विकल्प दिये गये हैं, जिनमें से कोई एक सही है। इन 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR उत्तर-पत्रक पर चिह्नित करें —	1 X 50 ~~50x1~~ = 50
	नीचे दिहल प्रश्नन के विकल्प में से सही उत्तर चुनीं —	
1.	चरनीदास के भगति रहे —	
	(A) सगुन (B) निरगुन	
	(C) (A) आ (B) दूनों (D) कवनो ना	
2	कबीरदास के भगति रहे —	
	(A) सगुन (B) निरगुन	
	(C) (A) आ (B) दूनों (D) कवनो ना	
3	चरनीदास के लिखल ग्रंथ ह	
	(A) प्रेम- प्रकाश (B) शब्द - प्रकाश	
	(C) (A) आ (B) दूनों (D) कवनो ना	
4	कबीरदास के ग्रंथ ह —	
	(A) पदावली (B) सूरसागर	
	(C) सतसई (D) बीजक	
5	चरनीदास कइसन कवि बानीं ?	
	(A) सिंगार कवि (B) भक्त कवि	
	(C) ~~प्रकृति~~ हास्य कवि (D) वीर रस कवि	

Biharboardquestionpaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न				प्रश्न के लिए अंक
6	कबीरदास के ईश्वर बानी –				
	(A)	साकार	(B)	निराकार	
	(C)	(A) आ (B) दूनो	(D)	कवनो ना	
7	धरनीदास के ईश्वर बानी –				
	(A)	साकार	(B)	निराकार	
	(C)	(A) आ (B) दूनो	(D)	कवनो ना	
8	कबीरदास कइसन कवि बानी ?				
	(A)	~~[illegible]~~ संत कवि	(B)	सिंगार कवि	
	(C)	~~प्रकृति~~ हास्य कवि	(D)	वीर कवि	
9	कबीरदास के ~~जनम~~ जनम कहँवा भइल रहे ?				
	(A)	दिल्ली	(B)	कोलकाता	
	(C)	छपरा	(D)	बनारस	
10	कबीरदास जी कवन काल के कवि रहीं ?				
	(A)	आदि काल	(B)	भक्ति काल	
	(C)	रीति काल	(D)	आधुनिक काल	
11	धरनीदास कवन काल के कवि रहीं ?				
	(A)	आदि काल	(B)	भक्ति काल	
	(C)	रीति काल	(D)	आधुनिक काल	
12	भिनक राम कइसन कवि बानी ?				

Biharboardquestionpaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
	(A) संत कवि (B) प्रकृति कवि	
	(C) वीर कवि (D) सिंगार कवि	
13	भिनक राम जी संस्थापक रहीं—	
	(A) लक्ष्मी – संप्रदाय (B) सरभंग – संप्रदाय	
	(C) अघोर – संप्रदाय (D) सरवी – संप्रदाय	
14	कबीरदास संस्थापक रहीं—	
	(A) नानक – पंथ (B) दादु – पंथ	
	(C) कबीर – पंथ (D) दयालसा – पंथ	
15	'जोंक' केकर प्रतीक हई?	
	(A) दयालु के (B) देशभगत के	
	(C) समाज सुधारक के (D) शोषक के	
16	'जोंक' के मुख्य पात्र हवे—	
	(A) बुझावन महतो (B) सिरतन लाल	
	(C) नोहर राउत (D) कवनो ना	
17	'जोंक' के विधा ह—	
	(A) कविता (B) एकांकी	
	(C) कहानी (D) आलोचना	
18	'जोंक' के सिरजनिहार बानी—	
	(A) रामेश्वर सिंह काश्यप (B) डॉ० सत्येन्द्र सुमन	

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
	(C) राहुल सांकृत्यायन (D) डॉ० उदय नारायण तिवारी	
19	'फिरंगिया' केकरा कहल जाला ?	
	(A) रसियन के (B) अमेरिकन के	
	(C) फ्रेंच के (D) अंग्रेजन के	
20	'फिरंगिया' कहवाँ के रहनिहार रहल सन ?	
	(A) रूस (B) अमेरिका	
	(C) फ्रांस (D) इंगलैंड	
21	'फिरंगिया' रचना के विधा ह —	
	(A) निबंध (B) कहानी	
	(C) समीक्षा (D) कविता	
22	'फिरंगिया' रचना के लिखनिहार बानीं —	
	(A) महेन्द्र शास्त्री (B) मनोरंजन प्रसाद सिन्हा	
	(C) राम नाथ पांडेय (D) सूर्य देव पाठक	
23	'मछरी' रचना के विधा ह —	
	(A) कविता (B) कहानी	
	(C) नाटक (D) उपन्यास	
24	'मछरी' रचना के लिखनिहार बानीं —	
	(A) भगवत शरण उपाध्याय (B) राम नाथ पाठक	
	(C) शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव (D) रामेश्वर सिंह काश्यप	

Biharboard Questionpaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न		प्रश्न के लिए अंक
25	'मछरी' रचना के नायिका ह —		
	(A) दयमंती	(B) कुलमंती	
	(C) कुंती	(D) सुमंती	
26	'अछूत की शिकायत' रचना के विधा ह —		
	(A) कविता	(B) कहानी	
	(C) यात्रा-वृतांत	(D) जीवनी	
27	'अछूत की शिकायत' रचना के रचनाकार बानी —		
	(A) गंगा प्रसाद अरुण	(B) हीरा डोम	
	(C) उषा वर्मा	(D) हरिशंकर वर्मा	
28	'अछूत की शिकायत' रचना में प्रधानता बा —		
	(A) युवा-चेतना	(B) नारी-चेतना	
	(C) किसान-चेतना	(D) दलित-चेतना	
29	'पारन' रचना के विधा ह —		
	(A) संस्मरण	(B) भाषण	
	(C) आत्मकथा	(D) शब्द-चित्र	
30	'पारन रचना के रचनाकार बानी —		
	(A) डॉ० उषा वर्मा	(B) डॉ० भगवत शरण उपाध्याय	
	(C) डॉ० सत्येन्द्र सुमन	(D) डॉ० भोला नाथ तिवारी	
31	ग्रियर्सन कहवाँ के रहनिहार रहीं?		

Biharboard Question paper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
	(A) रूस (B) अमेरिका	
	(C) इंगलैंड (D) फ्रांस	
32	मगध प्रदेश के प्राचीन वैदिक नाम रहे ?	
	(A) कीकट (B) तिरकट	
	(C) विकट (D) टिकट	
33	'भोर हो गइल' पाठ के विधा ह —	
	(A) कहानी (B) कविता	
	(C) संस्मरण (D) रेखाचित्र	
34	'भोर हो गइल' रचना के रचनाकार बानीं —	
	(A) पांडेय कपिल (B) राम नाथ पाठक	
	(C) राम नाथ पांडेय (D) सूर्य देव पाठक	
35	'भोर हो गइल' रचना में कवना समय के वर्णन ह ?	
	(A) रात (B) दुपहर	
	(C) भोर (D) साँझ	
36	भोर भइला प का खोले के कहाइल ह ?	
	(A) खिड़की (B) केबाड़ी	
	(C) दुआर (D) कमरा	
37	'रूप के हिरन' पाठ के रचनाकार बानीं —	
	(A) डॉ० परमेश्वर दुबे शाहाबादी (B) महेन्द्र शास्त्री	

Biharboardquestionpaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
	(C) महेन्द्र मिसिर (D) उदय नारायण तिवारी	
38	महेन्द्र मिसिर जानल जाले –	
	(A) सोहर (B) पूरबी लोकगीत	
	(C) झूमर (D) बिरहा	
39	'अँचरा के छाँह' रचना के विधा ह –	
	(A) रिपोर्ताज (B) शिकार कथा	
	(C) कहानी (D) लघु कथा	
40	'काकी के गहना' रचना के विधा ह –	
	(A) कविता (B) कहानी	
	(C) यात्रा-वृतांत (D) आलोचना	
41	'काकी के गहना' रचना के रचनाकार बानी –	
	(A) डॉ० उदय नारायण तिवारी (B) डॉ० विद्या निवास मिश्र	
	(C) डॉ० उषा वर्मा (D) डॉ० राजेन्द्र प्र० सिंह	
42	'अँचरा के छाँह' रचना के रचनाकार बानी –	
	(A) राम नाथ पाठक (B) राम नाथ पांडेय	
	(C) उषा वर्मा (D) रामेश्वर सिंह काश्यप	
43	'केकरा खातिर छूटे' पाठ के लिखनिहार बानी –	
	(A) डॉ० शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव (B) डॉ० प्रभुनाथ सिंह	
	(C) डॉ० राजेन्द्र प्र० सिंह (D) डॉ० सत्येन्द्र सुमन	

Biharboardquestionpaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
44	'मानिक मोर हेरइलें' के विधा है —	
	(A) लघुकथा (B) रेखा-चित्र	
	(C) शब्द-चित्र (D) ललित निबंध	
45	'मानिक मोर हेरइलें' रचना के रचनाकार बानी —	
	(A) डॉ० उदयनारायण तिवारी (B) डॉ० विद्या निवास मिश्र	
	(C) डॉ० राम नाथ पाठक (D) डॉ० प्रभु नाथ सिंह	
46	डॉ० प्रभुनाथ सिंह अनुवाद कइलें बानी —	
	(A) भोजपुरी से रसियन (B) रसियन से भोजपुरी	
	(C) भोजपुरी से अंग्रेजी (D) अंग्रेजी से भोजपुरी	
47	रामेश्वर सिंह काश्यप रहनिहार रहीं —	
	(A) पटना (B) छपरा	
	(C) रोहतास (D) बलिया	
48	डॉ० प्रभुनाथ सिंह रहनिहार रहीं —	
	(A) पटना (B) छपरा	
	(C) रोहतास (D) बलिया	
49	काशी प्रसाद जायसवाल कवना विषय के विद्वान रहीं?	
	(A) प्राच्य विद्या (B) इतिहास	
	(C) हिन्दी (D) भूगोल	
50	'सरस्वती' पत्रिका के संपादक रहीं —	

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
	(A) हजारी प्र० द्विवेदी (B) महावीर प्र० द्विवेदी	
	(C) रामचंद्र शुक्ल (D) कवनो ना	
51	उपसर्ग कवनो शब्द में लागेला —	
	(A) पहिले (B) बीच में	
	(C) बाद में (D) केहिजो ना	
52	प्रत्यय कवनो शब्द में लागेला —	
	(A) पहिले (B) बीच में	
	(C) अंत में (D) कहीं ना	
53	'प्रतिमान' में उपसर्ग ह —	
	(A) प्रति (B) मान	
	(C) दूनो (D) कवनो ना	
54	'सच्चाई' में प्रत्यय ह —	
	(A) सच्चा (B) आई	
	(C) दूनो (D) कवनो ना	
55	'हम' कवन पुरुष ह ?	
	(A) उत्तम (B) मध्यम	
	(C) अन्य (D) ~~तीनू~~ तीनो	
56	'तोहनी सभ' कवन पुरुष ह ?	
	(A) उत्तम (B) मध्यम	

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
	(C) अन्य (D) ~~तीनू~~ तीनो	
57	'अलौग' कवन पुरुष ह ?	
	(A) उत्तम (B) मध्यम	
	(C) अन्य (D) कवनो ना	
58	'सोन नदी' में संज्ञा ह –	
	(A) जाति वाचक (B) व्यक्ति वाचक	
	(C) ~~द्रव वाचक~~ भाव वाचक (D) समूह वाचक	
59	'गाय' में संज्ञा ह –	
	(A) जाति वाचक (B) भाव वाचक	
	(C) समूह वाचक (D) ~~द्रव वाचक~~ व्यक्ति वाचक	
60	'रघटास' में संज्ञा ह –	
	(A) जाति वाचक (B) समूह वाचक	
	(C) ~~द्रव वाचक~~ व्यक्ति वाचक (D) भाव वाचक	
61	'मेला' में संज्ञा ह –	
	(A) जाति वाचक (B) भाव वाचक	
	(C) समूह वाचक (D) ~~द्रव वाचक~~ द्रव्य वाचक	
62	'तेल' में संज्ञा ह –	
	(A) जाति वाचक (B) ~~द्रव वाचक~~ द्रव्य वाचक	
	(C) भाव वाचक (D) व्यक्ति वाचक	

BiharboardQuestionPaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
63	'स्वर्ण' शब्द है —	
	(A) तत्सम (B) तद्भव	
	(C) देशज (D) विदेशज	
64	'सोना' शब्द है —	
	(A) तत्सम (B) तद्भव	
	(C) देशज (D) विदेशज	
65	'लोहरदून' शब्द है —	
	(A) तत्सम (B) तद्भव	
	(C) देशज (D) विदेशज	
66	'ऑफीसर' शब्द है —	
	(A) तत्सम (B) तद्भव	
	(C) देशज (D) विदेशज	
67	'पीचाली' समास है —	
	(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि	
	(C) द्वन्द्व (D) द्विगु	
68	'नवरत्न' समास है —	
	(A) तत्पुरुष (B) नञ	
	(C) द्वन्द्व (D) द्विगु	
69	'दाल-रोटी' समास है —	

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
	(A) तत्पुरुष (B) नञ् (C) द्वन्द्व (D) द्विगु	
70	'अनंत' समास ह—	
	(A) तत्पुरुष (B) नञ् (C) द्वन्द्व (D) द्विगु	
71	'दी' कवन लिंग ह?	
	(A) पुंलिंग (B) स्त्रीलिंग (C) दूनो (D) कवनो ना	
72	'घास' कवन लिंग ह?	
	(A) पुलिंग (B) स्त्रीलिंग (C) दूनो (D) कवनो ना	
73	'नेहा जा रहली ह' कइसन वाक्य ह?	
	(A) सरल (B) मिश्र (C) संयुक्त (D) तीनू कवनो ना	
74	'लंबोदर' के संधि-विच्छेद होइबी—	
	(A) लं + बोदर (B) लंब + उदर (C) लंबो + दर (D) लंबोद + र	
75	'मजूर' के वचन बदली—	
	(A) मजूरी (B) मजूरवन	

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
	(C) मजूरें (D) तीनू तीनो	
76	'गइयन' के वचन बदलीं —	
	(A) गाय (B) गायें	
	(C) गौ (D) सभ गाय	
77	'इंजोरिया' के विलोम शब्द ह —	
	(A) अंजोर (B) अन्हरिया	
	(C) पुनिया (D) अमावस	
78	'सागर' के पर्यायवाची शब्द ह —	
	(A) धरा (B) गगन	
	(C) समुद्र (D) आग	
79	जेकर अंत ना होखेला, उ कहाला —	
	(A) अदृश्य (B) अपूर्व	
	(C) अलख (D) अनंत	
80	रहन में कवन स्वर वर्ण ह ?	
	(A) अ (B) ब	
	(C) स (D) द	
81	रहन में कवन व्यंजन वर्ण ह ?	
	(A) ~~प~~ इ (B) फ उ	
	(C) औ (D) म	

Biharboardquestionpaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
82	जेकर अर्थ-बोध होखेला, उ कहाला —	
	(A) सार्थक (B) निरर्थक	
	(C) दूनों (D) कवनो ना	
83	जेकर अर्थ-बोध ना होखेला, उ कहाला —	
	(A) सार्थक (B) निरर्थक	
	(C) दूनों (D) कवनो ना	
84	'लचलच' कइसन शब्द ह ?	
	(A) सार्थक (B) निरर्थक	
	(C) दूनों (D) कवनो ना	
85	'खरप' कइसन शब्द ह ?	
	(A) सार्थक (B) निरर्थक	
	(C) दूनों (D) कवनो ना	
86	'जलखई' शब्द के अरथ ह —	
	(A) ~~भोजन~~ जलविहार (B) नींद	
	(C) पनपियाँव (D) ~~तीनू~~ तीनो	
87	'लउर' के समानार्थी शब्द ह —	
	(A) भाला (B) बनूक	
	(C) लाठी (D) तोप	
88	'कानी अँगुरी पर पहाड़ उठावल' मुहावरा के अरथ ह —	

Biharboard Question paper.com

संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
	(A) कठिन कारज कइलs (B) सरल कारज कइलs	
	(C) असंभव के संभव कइलs (D) नेकी-बदी कइलs	
89	'सीमा रवा रहली ह' में काल ह —	
	(A) वर्तमान (B) भूत	
	(C) भविष्यत् (D) तीनू कवनो ना	
90	'सीमा रवइले बाड़ी' में काल ह —	
	(A) वर्तमान (B) भूत	
	(C) भविष्यत् (D) कवनो ना	
91	'सीमा काल्ह रवइहें' में काल ह —	
	(A) वर्तमान (B) भूत	
	(C) भविष्यत् (D) तीनू तीनो	
92	'गोरकी छौंड़ी तेजी से दौड़ली' में क्रिया-विशेषण ह —	
	(A) गोरकी (B) छौंड़ी	
	(C) तेजी से (D) दौड़ली	
93	'करिया बैला दौड़ल जाता' में विशेषण ह —	
	(A) करिया (B) बैला	
	(C) दौड़ल (D) जाता	
94	'करिया बैला दौड़ल जाता' में संज्ञा ह —	
	(A) करिया (B) बैला	

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न संख्या	प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
	(C) दौड़ल (D) जाता	
95	'करिबा बैला दौड़ल जाता' में क्रिया ह —	
	(A) करिबा (B) बैला	
	(C) दौड़ल (D) जाता	
96	जवन जमीन उपजाऊ होला, उ कहाला —	
	(A) उर्वर (B) अनुर्वर	
	(C) बंजर (D) मरुभूमि	
97	'गूलर के फूल भइल' मुहावरा के अरथ ह —	
	(A) सुलभ वस्तु बनल (B) दुर्लभ वस्तु बनल	
	(C) सहज भइल (D) निर्लज्ज बनल	
98	आम के छोट-छोट गाछ कहाला —	
	(A) टिकोला (B) संतोला	
	(C) अमोला (D) कलमी	
99	आम के छोट-छोट फर कहाला —	
	(A) बिज्जु (B) टिकोरा	
	(C) मालदह (D) दशहरी	
100	दू वर्ण के मेल से बनेला —	
	(A) अक्षर (B) शब्द	
	(C) वाक्य (D) कवनो ना	

Biharboardquestionpaper.com

खंड- ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न संख्या		प्रश्न के लिए अंक
1.	कवनो एगो पर निबंध लिखीं—	1×8=8
	होली, चुनाव, बाढ़, अनुशासन, पुस्तकालय	
2	कवनो एगो गद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं—	1×4=4
(क)	झींगुर के अजब मनहूस झनकार हवा में भर गइल रहे। नीम के फूल के गंध से मातल बेआर दिमिलाइल फिरत रहे।	
	अथवा	
(ख)	जे धरती माता के पाछे आपन खून-पसीना एक करेला, उहे ईमानदारी के अन्न खाला, नाहीं त ई जिमदार बड़का जोंक हवें।	
3.	कवनो एगो पद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं—	1×4=4
(क)	कहत कबीर सुनु सइयाँ — हो, मोरे अबहिय देस। जे गइले से बहुरले ना हो, के कहेगु सनेस॥	
	अथवा	
(ख)	अंगना तूँ चहक लालमुनिया अस दुअरा हम बंशी बजाईं। कि मन मोर हो गइल खोल द दुआर 'मोर हो गइल॥	
4.	कवनो एगो के पत्र-लेखन करीं—	1×5=5
(क)	पुस्तक खरीदे खातिर बाबूजी लगे एगो पतरी लिखीं।	
	अथवा	
(ख)	बिआह में जाए खातिर प्राचार्य लगे छुट्टी के आवेदन-पत्र लिखीं।	

Biharboardquestionpaper.com

प्रश्न संख्या	लघु उत्तरीय प्रश्न	प्रश्न के लिए अंक
5.	कवनो पाँच गो प्रश्नन के उत्तर लिखीं—	5×2=10
(i)	निरगुन भक्ति का बारे में बताईं।	
(ii)	ग्रियर्सन कवन रहीं?	
(iii)	जोंक केकर प्रतीक ह आ काहे?	
(iv)	फिरंगिया कवन रहने सन?	
(v)	दलित-चेतना का होखेला?	
(vi)	सरभंग- संप्रदाय का बारे में लिखीं।	
(vii)	रामेश्वर सिंह काश्यप का बारे में बताईं।	
(viii)	पूरबी लोकगीत का बारे में लिखीं।	
(ix)	बक्सर काहे खातिर प्रसिद्ध ह?	
(x)	छठ पर्व काहे लोकप्रिय ह?	
	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
6.	कवनो तीन गो प्रश्नन के उत्तर लिखीं—	3×5=15
(i)	कवनो पढ़ल कहानी के समीक्षा करीं।	
(ii)	~~इगो~~ एगो कवनो कविता के भावार्थ लिखीं।	
(iii)	'जोंक' एकांकी के समीक्षा करीं।	
(iv)	ललित निबंध का होखेला? 'मानिक मोर हेरइले' पर विचार करीं।	
(v)	कबीरदास भोजपुरी के आदिकवि काहे सिद्ध करीं।	
(vi)	भोजपुरी आंदोलन का बारे में लिखीं।	

Biharboardquestionpaper.com

प्रश्न संख्या | प्रश्न | प्रश्न के लिए अंक

7 कवनो दुगो के संक्षेपण करीं — 1×4 = 4

(क) कवनो देश आकार से ना आत्मा से महान कहाला। ओकरा महान बनावे में ओकर संस्कृति के बड़हन योगदान रहेला। कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैलल आपन देश भारत के संस्कृति आ आत्मा महान बा। एकर बाहरी सुंदरता जतना मनमोहक आ सुन्नर-सुघड़ बाटे, ओतने भीतरी सुंदरता भी। हमनी का देश में विविधता में छिपल एकता हा। सउँसे संसार में मानव के वास ह बाकिर भारत देश में मानवता के वास ह। इहे चलते हमनी का देश विश्व गुरु कहाला।

अथवा

(ख) दोहरा चरित्र के लोग नीक ना होखेलन। उनुकर करनी आ कथनी में अंतर होखेला। कतना लोग दोहरा चरित्र के बाड़न सन। आजु इहे लोग चतुर आ चालाक कहल जा रहल बा। मंच पर चढ़ि के बड़का-बड़का बात गाँजेलन आ काम तनिको ना करस, केकरो काम ना करेलन। कवनो संस्था आ देश खातिर अइसन लोग घातक होखेलन। हमनी का अइसन सुभाव से अपना के बचावे के काम बा। अइसन लोग आदमी ना पशु से भी बदतर होखेलन।

Moderated

BiharboardQuestionpaper.com